

अप्रभावी हों।

- **पृथक्करण का नियम:** युग्मक निर्माण के दौरान प्रत्येक माता-पिता अपनी एक जीन प्रतिलिपि संतान को देते हैं।
- **स्वतंत्र वर्गीकरण का नियम:** विभिन्न लक्षणों के जीन स्वतंत्र रूप से वरिसत में मिलते हैं, जब तक कि वे एक ही गुणसूत्र पर न किट स्थिति न हों।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि:

1. भावी माता-पति के अंड या शुक्राणु उत्पन्न करने वाली कोशिकाओं में आनुवंशिक परिवर्तन किये जा सकते हैं।
2. व्यक्ति का जीनोम जन्म से पूर्व प्रारंभिक भ्रूणीय अवस्था में संपादित किया जा सकता है।
3. मानव प्रेरति प्लुरिपोटेंट स्टेम कोशिकाओं को एक शुकर के भ्रूण में अंतर्वेशति किया जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 2
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ecdna-challenging-genetics-principles>

